
ज्वालामुखी योग - 32

अव्यक्त बापदादा :- (18. 01. 2012)

» _ » अभी आपकी एडवांस पार्टी के साथी आप सबसे यह चाहते हैं कि अभी समय को, समाप्ति के समय को सामने लाओ। अब रिटर्न जरनी याद रखो। आपकी दीदी याद दिला रही है कि मुझे सदा यह याद रहता था 'अब घर जाना है', अब घर जाना है। आपकी दादी यही याद दिला रही है कि **जैसे मुझे याद रहा अभी सम्पन्न बनना है, सम्पूर्ण बनना है, धुन लगी रही।**

» _ » तो आज विशेष अमृतवेले वतन में बापदादा से मिलन मनाते कह रहे थे कि अभी हमारे तरफ से, जो भी दादियां गई हैं सब मिलके कह रही थी **अब ज्वालामुखी योग की बहुत आवश्यकता है, चाहे औरों को शक्ति देने के लिए, चाहे अपने ब्राह्मण परिवार को सम्पन्न बनाने के लिए।**

» _ » अभी समय को समीप लाने वाले आप निमित्त हो इसलिए आने वाले वर्ष में क्या करेंगे? विशेष क्या करेंगे? **एक दो के स्नेही सहयोगी बन हर एक सेन्टर, सेवास्थान ज्वालामुखी योग का वायब्रेशन और कर्म में एक दो के स्नेही सहयोगी बन हर एक को आप अटेन्शन में रखते जो भी कमी है उसमें सहयोग दो।** मन्सा द्वारा अन्य आत्माओं की सेवा करो और अपने सहयोग द्वारा ब्राह्मण साथियों की विशेष सेवा करो, तभी हम लोगों की दिल की आश पूरी होगी।

» » रिटर्न जर्नी

» _ » रिटर्न जर्नी के लिए किन तैयारियां की जरूरत है ??

- समय पूरा हुआ अब वापिस जाना है
- जो भी सामान फैलाया है उसको समेटना है
- स्थान को बाय बाय
- जो काम के लिए आए वो किया या नही
- थैंक्स, भूल चुक माफ, किसी से उधार लिया वो चुकतू करना है
- जाते समय कमाई करके जाना है
- निकले तो दुनिया याद करे
- किसी से भी मोह न हो
- क्षमा करके भी जाना है
- जैसे आने वाली जर्नी सुखद थी ऐसे जाने वाली भी सुखद हो
- किसी चीज की याद नही
- दूसरो को गिफ्ट देकर आना
- जितना सामान कम हो हलका

- जाते समय कोई उधारी न हो आर्थिक हिसाब किताब चुकतू करके जाना
- भारी दिल से नहीं जाना
- ये स्मृति रहे जाना है
- हम दुखी न हो आत्मग्लानी का भाव न हो
- दुआयें लेकर दुआयें देकर निकलना है
- महान कार्य करके जाना है
- जाते समय निमंत्रण देकर जाना

➤➤ अध्यात्म मे रिटर्न जर्नी के लिए किन तैयारियां की जरूरत है ??

➤➤ _ ➤➤ एवररेडी रहना

- कभी भी जाना पड सकता है तो तैयारी करके रखनी है
- अभी इसी समय शरीर छोडना पडे तो अभी चले जाए
- न फोन करना है न बताना पडे घर पर कि जा रहा हूं समेटा हुआ हो
- विस्तार किया है तो भूल जाना
- जो गया तो गया जो डूब रहा है वो डूबने दो कुछ नहीं रहने

वाला

➤➤ _ ➤➤ सम्पूर्ण नष्टोमोहा

- किसी से कोई लेना देना नहीं चाचा मामा भाई बहन मित्र सम्बंधी घर ये सब धरे के धरे रह जायेगे
- ये आंतरिक तैयारी है सूक्ष्म तैयारी है
- क्योकि आत्मा सूक्ष्म धागों से बंधी हुई है संसार मे

➤➤ _ ➤➤ बार बार घर की स्मृति, वैराग

- यहां का सारा हिसाब किताब सारा चुकतू करके जाना न किसी से लेना न किसी का देना
- न किसी से दोस्ती न किसी से बैर वो साक्षी भाव हो
- अच्छा आ जाए तो भी साक्षी भाव बुरा करने वाला आ जाए तो भी रहमदिल का भाव परिवर्तन हो जाए ये शुभ भावना हो

➡ _ ➡ साक्षी भाव

→ सबसे ऊंची साधना है पकड़ के कुछ नहीं है रखना

→ जितना जोर से जो पकड़ेगा उतना गहरा घाव होगा

■ इसलिए let go करना है छोड़ दो बातें आई और बातें गईं

→ सूक्ष्म चीजों को स्थूल से ही समझा जा सकता है निराकार को साकार रूप देकर ही समझा जाता है

→ ज्ञान सम्पूर्ण निराकार है इस संसार का सबसे बड़ा कवि शिव बाबा है

➡ _ ➡ सन्तुष्ट करना

→ सबको संतुष्ट करके जाना है सबको खुश करके जाना है

→ सबको सौगात देकर दूसरों को सम्पन्न करके और स्वयं भी सम्पन्न होकर जाना है

→ जाते समय इस लोक को इस पृथ्वी को और सुखी करके जाना है

➡ _ ➡ नष्टोमोहा

→ जाते समय कुछ भी याद न आए कोई भी स्मृति नहीं

→ कर्म और फल दोनों चीजें से अलग किसी से कोई अटैचमेंट नहीं

→ कर्मयोगी अर्थात् एकरस कोई प्रभाव नहीं

■ जीवन मुक्त विकर्माजीत बंधनों से मुक्त होने की समझ

➡ _ ➡ आर्थिक हिसाब किताब चुकतू कर्म के हिसाब किताब चुकतू

➡ _ ➡ हम जाए तो किसी को दुख न हो।

➡ _ ➡ बोझ मुक्त कम से कम सामान हो

➡ _ ➡ खुशी खुशी जाए कोई दर्द नहीं कोई दुख नहीं

➡ _ ➡ प्रायोपवेशन

→ सारी तैयारी खुद ही चालू कर देता है व फिर चला जाता है

→ जाना व बहुत आराम से शांति चले जाना

➡ _ ➡ कोई कम्प्लेंट न हो जाते हुए

■ सब कुछ अच्छा था

➤ _ ➤ जो हुआ वो अच्छा जो हो रहा है वो और अच्छा जो होने वाला है वो बहुत बहुत अच्छा

➤ _ ➤ किसी ने बुरा किया वो होना ही था
